

BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

Personal Details

Author Name	Bhagirath Parihar
Father Name	Otarmal Parihar
Date of Birth	1944-07-02
Contact No	+919414317654
Alternate contact no.	9413358404
e-mail ID	gyansindhu@gmail.com
Nominee Name	Varun Parihar
Correspondence Address :	Modern Public School , 228, New Market, Rawatbhata - 323307 via -Kota , Rajasthan
Landmark	Modern Public School
City	Rawatbhata
State	District-Chittorgarh (Rajasthan)
Pin Code	323307
Country	India

BANK DETAILS

Account holder's name	Bhagirath Parihar
Account No.	51090393743
Bank Name	State Bank of India

Branch	Phase II Rawatbhata
IFSC Code	SBI 0031265
Pan No.	AEVPP2791L

Book Details

Book Title	Laghukatha vivechana aur aalochana
How would you like your name to appear on book?	भगीरथ परहिर
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Non-Fiction
Number of images (If any)	0
Manuscript Status	Completed
Book Size	6"x9"

Cover details

Synopsis

‘लघुकथा वविचना और आलोचना’ पुस्तक में पांच खण्ड सम्मिलित है यथा –मूल्यांकन, चर्चा, आलेख, समीक्षा और वविधि खण्ड. मूल्यांकन खंड में लघुकथा के महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों के रचना कर्म का मूल्यांकन किया गया है. दूसरे खंड में साक्षात्कार, बातचीत, और लटिररी फेस्टविल, गूगल मीट में दएि डस्कोर्स शामिल है. आलेख खंड में लघुकथा का उत्कर्ष काल, शलिप और प्रेषणीयता का सवाल, आलोचना के मापदण्ड, लघुकथा में स्थानीयता का प्रतबिम्बन जैसे वषियों पर आलेख लिखे है. समीक्षा खंड में रामनारायण उपाध्याय के नया पंचतंत्र और समान्तर लघुकथाएँ पर समीक्षा अंतमि खंड में ‘मेरी लघुकथा यात्रा’ ‘लेखक का व्यक्तव्य’ और एक संस्मरण शामिल है. यह पुस्तक लघुकथा पाठकों, लेखकों और शोधार्थियों के लएि उपयोगी है.

Blurb

‘लघुकथा वविचना और आलोचना’ पुस्तक में पांच खण्ड सम्मिलित है यथा –मूल्यांकन, चर्चा, आलेख, समीक्षा और वविधि खण्ड. मूल्यांकन खंड में लघुकथा के महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों के रचना कर्म का मूल्यांकन किया गया है. दूसरे खंड में साक्षात्कार, बातचीत, और लटिरी फेस्टिवल, गूगल मीट में दिए डिस्कोर्स शामिल हैं. आलेख खंड में लघुकथा का उत्कर्ष काल, शिल्प और प्रेषणीयता का सवाल, आलोचना के मापदण्ड, लघुकथा में स्थानीयता का प्रतिबिम्बन जैसे विषयों पर आलेख लिखे हैं. समीक्षा खंड में रामनारायण उपाध्याय के नया पंचतंत्र और समान्तर लघुकथाएँ पर समीक्षा अंतिम खंड में ‘मेरी लघुकथा यात्रा’ ‘लेखक का व्यक्तित्व’ और एक संस्मरण शामिल है. यह पुस्तक लघुकथा पाठकों, लेखकों और शोधार्थियों के लिए उपयोगी है.

‘लघुकथा वविचना और आलोचना’ पुस्तक में पांच खण्ड सम्मिलित है यथा –मूल्यांकन, चर्चा, आलेख, समीक्षा और वविधि खण्ड. मूल्यांकन खंड में लघुकथा के महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों के रचना कर्म का मूल्यांकन किया गया है. दूसरे खंड में साक्षात्कार, बातचीत, और लटिरी फेस्टिवल, गूगल मीट में दिए डिस्कोर्स शामिल हैं. आलेख खंड में लघुकथा का उत्कर्ष काल, शिल्प और प्रेषणीयता का सवाल, आलोचना के मापदण्ड, लघुकथा में स्थानीयता का प्रतिबिम्बन जैसे विषयों पर आलेख लिखे हैं. समीक्षा खंड में रामनारायण उपाध्याय के नया पंचतंत्र और समान्तर लघुकथाएँ पर समीक्षा अंतिम खंड में ‘मेरी लघुकथा यात्रा’ ‘लेखक का व्यक्तित्व’ और एक संस्मरण शामिल है. यह पुस्तक लघुकथा पाठकों, लेखकों और शोधार्थियों के लिए उपयोगी है.

भगीरथ परहिर रावतभाटा कोटा राजस्थान में रहते हैं। वे वज्जिज्ञान और कानून के स्नातक हैं और अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में स्नाकोत्तर उपाधि प्राप्त किये हैं। वे आधुनिक हिंदी लघुकथा के प्रतिपादकों में से एक हैं। वे आठवें दशक से नरितर इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। आधुनिक हिंदी लघुकथा का पहला ऐतिहासिक संकलन 'गुफाओं से मैदान की ओर' इन्हीं के द्वारा सम्पादित है। अन्य सम्पादित ग्रंथों में 'राजस्थान की चर्चति लघुकथाएँ' और 'पंजाब की चर्चति लघुकथाएँ' गिनी जा सकती है जो दो प्रदेशों के रचना कर्म पर केन्द्रित है। 'मैदान से वतान की ओर' लघुकथा संकलन सही माने में 'गुफाओं से मैदान की ओर' का पूरक ग्रन्थ है जिसका चयन और संपादन उन्हीं का है। उनका पहला लघुकथा संकलन 'पेट सबके है' का लघुकथा जगत में भरपूर स्वागत हुआ। दूसरा संकलन 'बैसाखियों के पैर' काफी अंतराल के बाद प्रकाशित हुआ। इसके अलावा 'हिंदी लघुकथा के सदिधांत' और 'लघुकथा समीक्षा' जो लघुकथा के सैद्धांतिक पक्ष और समीक्षा कर्म को व्याख्यायित करती है। समीक्षा कार्य को आगे बढ़ाते हुए पहले सुकेश साहनी और बाद में कमल चोपड़ा के रचना कर्म पर क्रमशः 'कथाशिल्पी सुकेश साहनी की सृजन-संचेतना' और 'कथाकार कमल चोपड़ा की सृजन संवेदना' पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं।

भगीरथ परहिर रावतभाटा कोटा राजस्थान में रहते हैं। वे वज्जिज्ञान और कानून के स्नातक हैं और अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में स्नाकोत्तर उपाधि प्राप्त किये हैं। वे आधुनिक हिंदी लघुकथा के प्रतिपादकों में से एक हैं। वे आठवें दशक से नरितर इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। आधुनिक हिंदी लघुकथा का पहला ऐतिहासिक संकलन 'गुफाओं से मैदान की ओर' इन्हीं के द्वारा सम्पादित है। अन्य सम्पादित ग्रंथों में 'राजस्थान की चर्चति लघुकथाएँ' और 'पंजाब की चर्चति लघुकथाएँ' गिनी जा सकती है जो दो प्रदेशों के रचना कर्म पर केन्द्रित है। 'मैदान से वतान की ओर' लघुकथा संकलन सही माने में 'गुफाओं से मैदान की ओर' का पूरक ग्रन्थ है जिसका चयन और संपादन उन्हीं का है। उनका पहला लघुकथा संकलन 'पेट सबके है' का लघुकथा जगत में भरपूर स्वागत हुआ। दूसरा संकलन 'बैसाखियों के पैर' काफी अंतराल के बाद प्रकाशित हुआ। इसके अलावा 'हिंदी लघुकथा के सदिधांत' और 'लघुकथा समीक्षा' जो लघुकथा के सैद्धांतिक पक्ष और समीक्षा कर्म को व्याख्यायित करती है। समीक्षा कार्य को आगे बढ़ाते हुए पहले सुकेश साहनी और बाद में कमल चोपड़ा के रचना कर्म पर क्रमशः 'कथाशिल्पी सुकेश साहनी की सृजन-संचेतना' और 'कथाकार कमल चोपड़ा की सृजन संवेदना' पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं।

भगीरथ परहिर रावतभाटा कोटा राजस्थान में रहते हैं। वे वज्जिज्ञान और कानून के स्नातक हैं और अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में स्नाकोत्तर उपाधि प्राप्त किये

